One day Teachers Training Program – RKMV, Shimla

Dr. Sudhir Kumar – as one of the resource person delivered a talk in a One-day training program (06 May 2023) for teachers of RKMV, Shimla, Govt. Colleges of Sanjuli, Theog and Chahal. The event was organized by IQAC of RKMV by Dr. Anil Thakur and Principal Dr. Ruchi Ramesh.

Dr. Sudhir shared the ways and means to increase Joy in Teaching. The attributes of good and great teachers were highlighted and discussed. The other speakers also shared their views on the subject matter.

Rajkiya Kanya Mahavidyalaya, Shimla (H.P.)

IQAC is organising

One Day Training Program on

Quality Teaching & Research: What, Why & How?

On May 6, 2023 (Saturday)

Offline & Online mode (Platform: Google Meet)

Resource Persons:

Dr. Wamik Azmi
Prof. & Chairman, Dept of Biotech, HPU, Shimla

Dr. Sudhir Kumar Syal
Prof. & Head, Biotech. & BI, JUIT, Solan

Dr. Abhijit Dey
Presidency University, Kolkatta

Organizing Committee:

Dr. Ruchi Ramesh
Principal & Patron

Dr. Madan Mankotia
Convenor

Dr. Anil Kumar Thakur
Coordinator, IQAC

Ms. Geeta Sharma
Co-Convenor

RESOURCE PERSONS

Dr. Wamik Azmi

Did his Ph. D. in Biotechnology from IMTECH, Chandigarh and M. Tech. in Biochemical Engineering from Institute of Technology, Varanasi. Has rendered his services in the field of industry also and is keenly interested in academics. Presently Professor and Chairman, Department of Biotechnology, Himachal Pradesh University, Shimla. He has 21 Years of experience in Research and teaching and has guided more than 23 Ph.D. scholars.

Total Publications = 89; Citations = 2058; H-index = 15; i10 index = 21

Dr. Sudhir Kumar Syal

Works in the area of Environmental Biotechnology. Did Ph.D. in Biotechnology from Thapar University, Patiala, Post doctoral from Department of Chemical and Biological Engineering, South Dakota School of Mines and Technology, USA. His research work is in the area of Bioremediation, Biogas production from food and agricultural waste, Biobriquetting from agricultural waste, Environmental Pollution and Bioleaching of precious metals like gold, silver from e-waste and assessing the impact of e-waste on human health and environment.

Total Publications = more than 100; Citations = 1389; H-index = 17; i10 index = 25; Projects completed: 7 (1.20 Crores)

Dr. Abhijit Dey

Did his Ph.D from Presidency University, Kolkatta. Was awarded the prestigious Prof. H. L. Chakraborty memorial award and Dr. P. D. Sethi Memorial Award. He is Fellow of the Linnean Society, London. Was included among the World Ranking of Top 2% Scientists in 2021 and 2022 database created by experts at Stanford University, USA. Is on the Editorial board of many world class journals - BMC Complementary Medicine and Therapies (Springer Nature), Frontiers in Pharmacology; Frontiers for Young Minds

Total publications: 396; Citations = 7338; H-index = 42; i10 index = 171 Total impact factor: 1351

SCHEDULE

Date: May 6, 2023 (Saturday)

- 10:30AM: Registration
- 11:00 AM: Inauguration and Welcome by the Principal
- 11:10 AM: Introduction about the Training
- 11:20-12:00 Joy of Teaching
  by Prof. Sudhir Syal
- 12:00-12:40PM: Effective Project Writing and Research Funding
  by Prof. Wamik Azmi
- 12:40-1:20PM: Quality Research: What, Why and How ?
  by Dr. Abhijit Dey
- 1:20 : Observations of the training Programme
- 1:30 : Vote of Thanks

अमर उजाला | शिमला

प्राध्यापन को प्रभावशाली बनाने के बताए दस सूत्र

कन्या महाविद्यालय में गुणवत्ता शिक्षण और अनुसंधान पर हुई कार्यशाला

संवाद न्यूज एजेंसी

शिमला। राजकीय कन्या महाविद्यालय शिमला में शनिवार को गुणवत्ता शिक्षण और अनुसंधान पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। इसमें राजकीय महाविद्यालय चौड़ा मैदान, ठियोग, राजकीय महाविद्यालय संजौली, राजकीय महाविद्याल कोटी (चायल) के 75 अध्यापक शामिल रहे।

इसमें प्रथम वक्ता जेपी विश्वविद्यालय वाकनाघाट के प्रोफेसर डॉ. सुधीर स्याल रहे। उन्होंने जॉय ऑफ टीचिंग पर विचार रखे। वहीं प्राध्यापन को प्रभावशाली बनाने के लिए दस सूत्रों से अवगत करवाया। दूसरे वक्ता बायोटेक्नोलॉजी विभाग हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला से प्रोफेसर डॉ. विमक अजमी मौजूद रहे। इन्होंने प्रोजेक्ट फॉर्म्युलेशन और रिसर्च फंडिंग के बारे में बताया। कार्यशाला के तीसरे वक्ता प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी कोलकाता से डॉ. अभिजीत ने गुणवत्ता अनुसंधान पर विचार रखे। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रुचि रमेश ने कहा कि शिक्षण एक प्रदर्शन है। कक्षा एक चलचित्र के समान है। इसमें प्राध्यापक और विद्यार्थी मुख्य भूमिका निभाते हैं। कहा कि शिक्षकों को प्राध्यापन को निखारने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। राजेश आजाद ने मंच संचालन किया। डॉ. मदन मनकोटिया ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। यह कार्यक्रम आईक्यूएसी कोआर्डिनेटर डॉ. अनिल ठाकुर के निर्देशन में हुआ। इस मौके पर गीता शर्मा, प्रदीप ठाकुर, डॉ. रक्षा कारटा, डॉ. निष्ठा मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

आरकेएमवी शिमला में आईक्यूएसी ने क्वालिटी टीचिंग एंड रिसर्च ; व्हाट, व्हाई एंड हाउ पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की

दैनिक आवाज जनादेश/
शिमला /
न्यूज हैड सी०चीला नेगी

राजकीय कन्या महाविद्यालय शिमला में दिनांक 6 मई 2023 को आईक्यूएसी द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया ।यह कार्यशाला क्वालिटी टीचिंग एंड रिसर्च ; व्हाट, व्हाई एंड हाउ पर आधारित थी । कार्यशाला में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक वर्ग के साथ-साथ राजकीय महाविद्यालय चौड़ा मैदान, राजकीय महाविद्यालय थियोग, राजकीय महाविद्यालय संजौली, राजकीय महाविद्यालय कोठी (चायल) के प्राध्यापकों ने भी भाग लिया । यह कार्यशाला ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड द्वारा करवाई गई । इस कार्यशाला में प्रथम वक्ता के रूप में डॉ सुधीर कुमार स्याल जोकि जेपी यूनिवर्सिटी वाकणाघाट में बायोटेक विभाग के प्रोफेसर और हेड है ने "जॉय ऑफ टीचिंग" पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया । उन्होंने पर प्रध्यापन को प्रभावशाली बनाने के लिए 10 सूत्रों का जिक्र किया साथ ही शिक्षकों को उनके शिक्षक होने का बोध कराते हुए अपने प्रध्यापन को पूरी निष्ठा से निभाने पर बल दिया । उन्होंने "रोल ऑफ स्ट्रेस इन टीचिंग" पर भी चर्चा की । कार्यशाला में दूसरे वक्ता के रूप में डॉ वामिक आजमी प्रोफेसर एंड हेड, डिपार्मेंट ऑफ बायो टेक्नोलॉजी हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला रहे । उनकी प्रस्तुति का विषय था "प्रोजेक्ट फॉमूर्लेशन एंड रिसर्च फंडिंग" शोध के क्षेत्रों में विभिन्न एजेंसियों द्वारा वित्तीय मदद प्रदान करने पर विस्तृत व्याख्यान दिया । इसके अंतर्गत उन्होंने प्रमुखतः सीएसआईआर, एआईसीटीई, यूजीई, डीआरडीओ, डीएसी, डीएसटी, आईएसआरक्यू, मिनिस्ट्री ऑफ आयुष आदि के बारे में विशेष जानकारी दी । साथ ही उन्होंने शोध क्षेत्र में महिलाओं के लिए वित्तीय मदद प्रदान करने वाली कुछ एजेंसियों जैसे डीएसआई, डीबीटी, केआईआरएएन (आईपीआर) विज्ञान ज्योति आदि पर विस्तृत प्रकाश डाला । उन्होंने शोध परियोजना (प्रोजेक्ट रिपोर्ट) बनाने से संबंधित जानकारियां प्रदान की । कार्यशाला में तीसरे प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ अभिजीत डे प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी कोलकाता रहे उन्होंने "क्वालिटी रिसर्चः व्हाट,व्हाई एंड हाउ" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया । उन्होंने यूजीसी केयरलिस्ट ओर एससीओपीयूएस पर जानकारी दी । महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ रुचि रमेश ने सभी पधारे अतिथियों का स्वागत किया और प्रमुख वक्ताओं का आभार व्यक्त किया उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा "टीचिंग इज ए परफॉर्मेंस" कक्षा एक चलचित्र के समान है जिसमें प्रध्यापकऔर विद्यार्थी प्रमुख भूमिका निभाते हैं । हमें अपने प्रध्यापन को निखारने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए ।

डॉ मदन मनकोटिया द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया ।यह कार्यक्रम आइक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ अनिल ठाकुर के निर्देशन में हुआ । आइक्यूएसी टीम के सदस्यों में गीता शर्मा, प्रदीप ठाकुर, डॉ रक्षा काल्टा, डॉ निष्ठा का योगदान सराहनीय रहा।